

अपन देश ल नंदनवन जइसन सुधर बनाय म उहाँ के लोगन मन के ज्ञान अऊ मेहनत ह आधार होथे। असली ताकत मेहनत करइया किसान अऊ मजदूर होथे। जब तक आलस ल नई छोड़ही तब तक उहाँ रहइया मन आगू नई बढ़ सकय। जनता के दुःख—पीरा हरे मा खुद के मेहनत अऊ विश्वास होथे। किसान अऊ मजदूर चाहय त खंडहर ह तको रंगमहल के समान बन जाही।



कविता म कवि ह देश के जवान मन ले, मजदूर अऊ किसान मन ले आलस छोड़ के मेहनत के बात कहे हे।

हे नव भारत के तरुण वीर,
हे भीम, भागीरथ, महावीर ।

ज्ञान भुला अपन पुरुसारथ बल,
खंडहर मा रच अब रंगमहल ।

ये राज तोरे, सरकार तोर,
ये दिल्ली के दरबार तोर ।

हे स्वतंत्र भारत के नरेस,
जन—जन के जल्दी हर कलेस ।

माँगे स्वदेश श्रमदान तोर,
संपदा, ज्ञान—विधान तोर ।



जब तोर पसीना पा जाही,
ये पुरुस—भूमि हरिया जाही ।

पाही जब तोर बटोरे धन,
भारत बन जाही नंदनवन ।

पाही बन तोर विसुद्ध ज्ञान,
भारत बनही जग मा महान ।

तज दे आलस, कर श्रम कठोर,
पिछवा जाबे अब ज्ञान अगोर ।

छत्तीसगढ़ी शब्द मन के हिन्दी अर्थ			अन्य शब्दार्थ	
ज्ञान	=	मत, नहीं	नवभारत	= नया भारत
पुरुसारथ	=	पुरुषार्थ, पराक्रम	तरुण	= युवा, जवान
कलेस	=	कष्ट	रंगमहल	= आमोद—प्रमोद के लिए बनाया गया महल
पिछवा जाबे	=	पिछड़ जाओगे	स्वदेश	= अपना देश
अगोरमा	=	प्रतीक्षा करना	नंदनवन	= स्वर्ग में देवराज इंद्र की वाटिका
नरेस	=	नरेश या राजा		

अभ्यास

पाठ से

1. कवि ह भीम, भगीरथ, अउ महावीर कोन ल केहे हे ?
2. कवि देश के नवजवान मन ले का माँगत हे ?
3. “खंडहर मा रच अब रंग महल” के भाव ल समझावव ।
4. कवि ह नवजवान मन ले कड़ा मिहनत करे बर काबर कहत हे ?
5. भारत नंदनवन कब बन जाहि ?
6. खाल्हे लिखाय कविता के पंक्ति मन के अर्थ लिखव—

क. ज्ञान भुला अपन पुरुसारथ बल

खंडहर मा रच अब रंगमहल ।

ख. हे स्वतंत्र भारत के नरेस

जन—जन के जल्दी हर कलेस

पाठ से आगे

1. तुमन ल अपन जीवन म कभू भीम. भगीरथ, महावीर के पात्र के किरदार निभाय के मौका मिलही त तीनों में से काकर किरदार निभाना पसंद करहु अउ काबर ? सोचके लिखव ।
2. जउन घर के मुखिया आलसी होथे वो घर परिवार के लोगन म ओकर का—का परभाव पड़थे । अपन घर के मन ला पूछ के लिखव ।

3. तुमन ल कभू जीवन म एक दिन बर अपन राज्य के मुख्यमंत्री बना दिए जाही त अपन राज्य के विकास वर का-का काम करहू ? अपन साथी मन संग चर्चा करके विकास बर करे काम के सूची बनावव ।
4. देश के नौजवान मन ले कवि बहुत उम्मीद करत हे । नौजवान मन का-का कर सकत हे ? अपन साथी मन संग चर्चा करके विकास काम के सूची बनावव ।



भाषा से

1. ये शब्द मन के हिंदी रूप लिखव —
पुरुसारथ, अगोर, कलेस, झन, पिछवा, पुरुस-भूमि, विसुद्ध ।
2. कविता म नरेस-कलेस, ज्ञान-महान, जइसन तुक-ले तुक मिले शब्द आय है । अइसन शब्द मन ल समानोच्चरित शब्द कहिथे ।
खाल्हे लिखाय शब्द मन के दो-दो समानोच्चरित शब्द लिखव—
स्वदेश, वीर, तोर, विशुद्ध, महल
3. खाल्हे लिखाय शब्द मन के उल्टा अर्थ वाला शब्द लिखव
गुन, आगू, कठोर, खंडहर, नरेस, विशुद्ध ।



योग्यता विस्तार

1. भारत ल अउ का-का नाम ले जाने जाथे वोकर सूची बनावव ।
2. पहिली के भारत अउ वर्तमान भारत म कोन-कोन से अंतर मालूम होथे शिक्षक के सहायता से चर्चा करके लिखव ।

